RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 7 | लखनऊ, सामेवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियों

साथियों स्टूडियो न्यूज के जनवरी 2020 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। नव वर्ष की आप सभी साथियों को शुभकामनाएं तथा ये साल आप लोगो के जीवन में नयी खुशियाँ ले कर आये। आप सभी लोगों का स्वास्थ अच्छा रहे एवं परिवार में सुख-समृद्धि आये। वर्ष 2019 फोटोग्राफी के क्षेत्र में नए बदलाव लेकर आया। **DSLR** से मिररलेस की ओर हम अग्रसर हुए। सभी कम्पनीज ने अपने मिररलेस कैमरे मार्केट में लांच कर दिए, जिससे मार्केट में कनफ्यूजन की स्थिति भी उत्पन्न हुई। आशा करते हैं कि आप लोग नए कैमरे खरीदते वक्त सर्वप्रथम अपने कार्य के हिसाब से कैमरे खरीदेंगे, न की लोगो के कहने के हिसाब से। नए साल में आप लोगो को और भी तकनीकी बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इस बार के अंक में हमने कैमरा रिव्यू में ओलम्पस **OM-D E-M5 Mark III** के बारे में बताया है। घर बैठे फोटोशॉप सीखे के भाग 4 में इस बार आपको कलर सेटिंग, कलर स्पेस, वर्किंग स्पेस और **Adobe** और **RGB** कलर स्पेस के बारे में जानेंगे। कौसानी में आयोजित लैंडस्केप और एडवांस फोटो एडिटिंग कार्यशाला आयोजित हुई इसके बारे में आपको जानकारी देने की कोशिश की गयी है।

नववर्ष के उपलक्ष्य में हर साल की भाँति इस वर्ष भी हमने नववर्ष का कैलेंडर अपने साथियो के लिए दो पेजों में प्रिंट किया है। फोटोग्राफी करने के लिए अपने देश में बहुत से सुंदर स्थान है और समय-समय पर हम उसके बारे में आपको अवगत कराते रहते हैं, इस बार हमने अपने पडोसी देश नेपाल के बारे में आपको जानकारी दी है, कि वहाँ पर कौन से प्रमुख स्थल है जो फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त हैं। फूड फोटोग्राफी के विषय में इस बार हमने कम्पोजीशन पर फोकस किया है। जिससे आप फूड फोटोग्राफी करते वक्त इसका उपयोग कर सके। स्मार्टफोन फोटोग्राफी में बदलती तकनीक के बारे में जानकारी दी गयी है, इस बार मोबाइल फोटोग्राफी के पेज पर। जगह-जगह आयोजित होने वाली वर्कशॉप और वहाँ के चित्र दिए गए है। फोटो प्रदर्शनी के फोटोग्राफ्स भी इस अंक में प्रकाशित किये गये हैं। बड़ी सफलता पाने के लिए अपने में क्या बदलाव करने चाहिये ये इस बार के मोटिवेशनल लेख में बताया गया है। निकॉन के वेडिंग फिल्म अवार्ड के बारे में आप सभी वीडियोग्राफर साथियों को अवगत करवाया है, इसमें कपल और वीडियोग्राफर दोनों को जीतने का अवसर है।

नए वर्ष में आप सभी लोग नए जोश के साथ अपने व्यापार को आगे बढ़ाये और फोटोग्राफी के क्षेत्र में नयी ऊँचाईयों को प्राप्त करें। इसी आशा के साथ आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

सिग्मा जापान ने अपने एल-माउंट 40 एमएम एफ 1.4, 105एमएम एफ 1.4 आर्ट लेंस के लिए रिलीज डेट निश्चित की

जैसा कि पहले वादा किया गया था, सिग्मा 40एमएम एफ 1.4, 105एमएम एफ 1.4 डीजी एचएसएम लेंसिस के लिए एल-माउंट रिलीज करेगा।

एप्पल ने कन्फर्म किया कि नया मैक प्रो, प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर मॉनिटर आर्डर के लिए उपलब्ध है

मैक प्रो और प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर मॉनिटर की रीडिजाइनिंग की घोषणा के छह महीने बाद एप्पल ने बताया कि 10 दिसंबर से इन्हें ऑर्डर किया जा रहा है।

आइओएस, आइपैड ओएस के लिए अडोब लाइटरूम को मिली डायरेक्ट इम्पोर्ट, एडवांस एक्सपोर्ट इत्यादि

अडोब ने आइओएस व आइपैडओएस के लिए लाइटरूम में डायरेक्ट फोटो इम्पोर्टिंग व एडवांस फोटो एक्सपोर्टिंग जोड़ा है। साथ ही डेस्क्टॉप एप में शेयर्ड एल्बम फीचर को अपडेट किया है।

कोडैक एक्टाक्रोम ई100 फिल्म 120, 4×5 फॉर्मेट में दस दिन के भीतर उपलब्ध होगी

कोडैक एलारिस ने इस बात की पुष्टि की है कि एक्टाक्रोम ई100 ग्लोबली बिकने के लिए उपलब्ध होगा 5-रोल 120 प्रोपैक्स व 4×5 फिल्म के 10-शीट बॉक्स में।

एलजी का 2020 अल्ट्राफाइन, अल्ट्रावाइड 32" व 38" 4के मॉनिटर प्रोफेशनल्स के लिए

क्रिएटिव प्रोफेशनल्स के लिए एलजी ने अपने लेटेस्ट लाइनअप अल्ट्राफाइन व अल्ट्रावाइड मॉनिटर्स के बारे में बताया।

लेक्सर की पीसीआइई 4.0 एसएसडी 7जीबी/सेकेंड की रीड स्पीड के साथ

यह ड्राइव वर्तमान में प्रोटोटाइप है लेकिन डब्लूसीसीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक इने 512जीबी, 1टीबी व 2टीबी क्षमता के लिए प्लान किया गया है।

एन्केर का पहला एमएफआइ सर्टिफाइड एलईडी फ्लैश क्यूब आइफोन 11, 11 प्रो डिवाइस के लिए

एन्केर का नया आइफोन एलईडी फ्लैश आइओएस बिल्ट इन कैमरा एप के साथ व थर्ड-पार्टी कैमरा एप के साथ काम करेगा।

डीजेआइ मैविक मिनी ड्रोन के लिए एनडी फिल्टर किट का एलान टिफिन ने किया

अभी तक, डीजेआइ के पास अपने मैविक-मिनी ड्रोन के लिए न्यूट्रल-डेंसिटी फिल्टर उपलब्ध नहीं था। टिफिन ने कंपैटिबल एनडी फिल्टर्स की सीरीज का एलान किया है।

डीआइवाई लार्ज फॉर्मेट कैमरा बर्था शूट करता है 1.1×1.1 मीटर स्लाइड

इटली की ब्रैंको ओटिको ने बर्था नाम का एक नया लार्ज-फॉर्म कैमरा तैयार किया है जो कि एक मीटर से दूर को मापते हुए स्लाइड कैप्चर करता है।

स्टूडियो न्यूज
फोटो देखिए ही नहीं सुनिए भी

उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर्स डायरेक्टरी में अपना नाम दर्ज कराएं

मात्र 500 रूपये में

ज्यादा जानकारी के लिए सम्पर्क करें

UTTAR PRADESH PHOTOGRAPHERS DIRECTORY 2020

3, Shanti Market, Laxmanpuri Gate, Faizabad Road, Lucknow-226016 (U.P.) India
Phone : +91-522-4108575 | Mob. : +91 9335915600, +91 6394444707
E-mail : directorystudionews@gmail.com

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 7 | लखनऊ, सामेवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

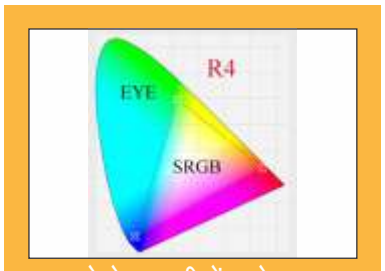

फोटोशाप सीखें - पेज 4

महान विभूतियाँ - पेज 6-7

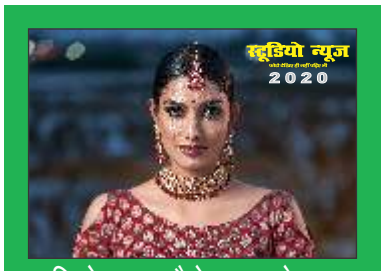

स्टूडियो न्यूज कैलेण्डर - पेज 8-9

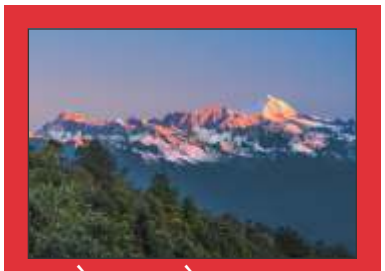

नेपाल - पेज 10-11

फूड फोटोग्राफी कंपोजीशन - पेज 12

ओलंपस OM-D E-M5 मार्क III : इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा

ओलंपस ओएम-डी ई-एम5 मार्क III एक माइक्रो फोर थर्ड मिररलेस कैमरा है जिसमें है गजब की स्पीड और भी बहुत गुण। इसमें है 20.4 एमपी एमओएस सेंसर और ट्रू पिक टIII इमेज प्रोसेसर, 30एफपीएस शूटिंग इलेक्ट्रानिक शटर, और डीसीआइ और यूएचडी 4K वीडियो रिकॉर्डिंग। सेंसर और प्रोसेसर मिलकर देते हैं आइएसओ 25600 तक की सेंसिटिविटी रेंज, जबकि 5-एक्सिस सेंसर शिफ्ट इमेज स्टैबलाइजेशन सिस्टम 6.5 स्टॉप तक का कैमरा शेक यानि कि कै हैंडहेल्ड शूटिंग में कैमरे के हिलने पर ठीक कर सकते हैं। सेंसर डिजाइन में है 121 फेज-डिटेक्शन प्वाइंट्स, सभी क्रॉस-टाइप हैं, साथ में 121 कंट्रास्ट डिटेक्शन एरिया हैं जिससे सब्जेक्ट को ट्रैक करना आसान हो जाता है।

हल्के वजन वाली और छोटी बॉडी देगी बेहतरीन प्रदर्शन

ओएम-डी ई-एमएस मार्क III देता है आसान तरीके से विश्वसनीय शूटिंग। ओएम-डी ई-एम5 मार्क III एक इंटरचेंजबली लेंस कैमरा है जिसका हल्का वजन है, आकार में छोटा है और उच्च प्रदर्शन देता है और साथ ही में माइक्रो फोर थर्ड सिस्टम है।

इसमें हाई क्वालिटी 4K वीडियो रिकॉर्ड करने की क्षमता है, और लाजवाब नजारे व सब्जेक्ट को शूट किया जा सकता है।

छोटा व हल्का वजन सिस्टम

इस मॉडल का छोटा सिस्टम है जो कि फुल-फ्रेम इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा से छोटा है, और जो कि अच्छे टोन एक्सप्रेशन, हाई रिज्यॉल्यूशन और उम्दा इमेज क्वालिटी देता है। यह धूल व पानी से बचाता है और इसमें -10 डिग्री सेल्सियस तक फ्रीजप्रूफ की सुविधा भी है जिससे कि आप कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी शूट कर सकें।

एएफ प्रदर्शन

अच्छा प्रदर्शन ऑन-चिप फेज डिटेक्शन एएफ के साथ यह कैमरा एएफ प्रशर्दन के योग्य है।

चेहरा/आंखे प्राथमिकता एएफ अपनी शक्ति का प्रयोग करता है पोट्रेट शूटिंग में।

मानव सब्जेक्ट का चेहरा व आंखें स्वतः प्रिसिजन फोकसिंग में डिटेक्ट हो जाती हैं।

कंपैक्ट इमेज स्टैबलाइजेशन

नया 5-एक्सिस आइएस यूनिट की छोटी व हल्की बॉडी देती है ई-एम5 मार्क II

इन-लेंस आइएस के साथ, यह फीचर देता है 5-एक्सिस सिंक आइएस अच्छी इमेज स्टैबलाइजेशन के लिए।

हाई-प्रदर्शन व्यूफाइंडर देता है यूजर को पूरी तरह शूटिंग में ध्यान लगाने की क्षमता।

इस मॉडल में है हाई-प्रदर्शन ओएलईडी व्यूफाइंडर जिससे कि इमेज में कम डिस्टॉरर्शन हो। इसका लंबा आइप्वाइंट इस बात को सुनिश्चित करता है कि विजिबिलिटी चश्मा पहनने के बावजूद अच्छी हो।

ओलंपस-ओरिजनल वर्सिटाइल शूटिंग फीचर्स

कई ओलंपस इंटरचेंजेबल लेंस कैमरा शूटिंग फीचर्स इस मॉडल में पैक हैं, जैसे कि

लाइव कंपोजिट, लाइव बल्ब व आसान एक्सपोजर के लिए लाइव टाइम। निर्णायक लम्हों को रिकॉर्ड करने के लिए प्रो कैप्चर का प्रयोग किया जा सकता है।

ओएम-डी मूवी

ई-एम5 मार्क III शक्तिशाली इमेज स्टैबलाइजेशन कैप्चर करने योग्य है सिर्फ स्टिल इमेज के लिए ही नहीं, बल्कि वीडियो के लिए भी। स्टेबल 4K वीडियो न्यूनतम शेक को हैंडहेल्ड शूटिंग के दौरान भी रिकॉर्ड किया जा सकता है।

उम्दा बेसिक प्रदर्शन

हाई-स्पीड मैकेनिकल शटर 1/8000 सेकेंड तक योग्य है।

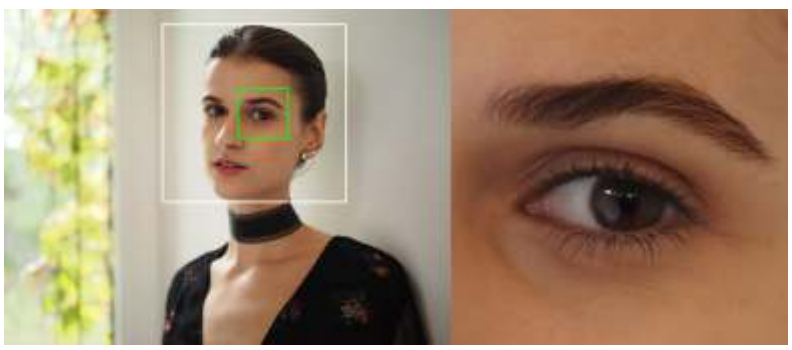

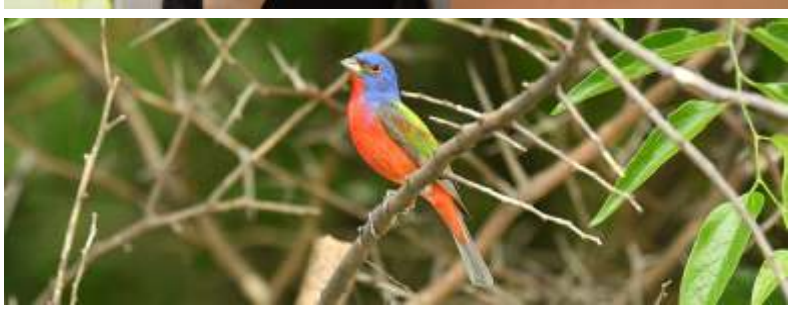

घर बैठे फोटोशॉप सीखें

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/

(भाग-4)

फोटोशोप ट्यूटोरियल के इस भाग में आपको कलर सेटिंग्स, कलर स्पेसेस, वर्किंग स्पेस, और Adobe और RGB कलर स्पेस के बारे में जानेंगे। जब हम अपनी फोटोग्राफ्स की एडिटिंग करते हैं तो फ़ोटोशॉप में कलर सेटिंग्स एडिटिंग के लिए उपलब्ध कलर की सीमा निर्धारित करते हैं। अधिक कलर उपलब्ध होने से हमें मॉनिटर स्क्रीन और प्रिंट दोनों में अधिक जीवंत बेहतर रंगो वाले फोटोग्राफ्स प्राप्त होते हैं। फोटोग्राफर्स फ़ोटोशॉप पर भरोसा करते हैं कि वह हमारे फोटोग्राफ्स को वैसे कलर में दिखायेगा जो सबसे उत्तम होगा पर यह जानकर आपको आश्चर्य हो सकता है कि फ़ोटोशॉप की डिफ़ॉल्ट कलर सेटिंग्स आपकी तस्वीरों को उस तरह से नहीं दिखाती जैसे उन्हें दिखना चाहिए। वास्तव में डिफ़ॉल्ट सेटिंग्स आपको कम रंग देती हैं। इस ट्यूटोरियल में हम देखेंगे कि एडोब क्यों सोचता है कि कम रंग बेहतर हैं। हम सीखेंगे कि फ़ोटोशॉप की कलर सेटिंग हम कैसे बदल सकते हैं और हम एक महत्वपूर्ण सेटिंग को देखेंगे जिसमें हमें रंगों की अपनी सीमा का विस्तार कर सकते हैं। मैं फ़ोटोशॉप सीसी का उपयोग कर रहा हूँ लेकिन फ़ोटोशॉप में कलर सेटिंग्स अब वैसी ही हैं जैसी वे सालों से हैं। इसलिए यदि आप फ़ोटोशॉप CS6 या उसके पहले के किसी वर्जन का उपयोग कर रहे हैं तो भी आप इस ट्यूटोरियल में बतलाये गए तरीको का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फोटोशॉप में कलर सेटिंग्स कहाँ से करे

फ़ोटोशॉप में एडिट मेनू से कलर सेटिंग्स बदला जा सकता है। स्क्रीन के ऊपर मेनू बार में एडिट मेनू पर क्लिक करें। फिर कलर सेटिंग्स चुनें जैसा की **स्क्रीन शॉट R1** में दिखलाया गया है।

कलर सेटिंग्स डायलॉग बॉक्स

यदि आपने पहले कभी कलर सेटिंग्स डायलॉग बॉक्स को नहीं देखा है, तो यह आपको भयभीत कर सकता है। लेकिन डरे नहीं, फ़ोटोशॉप की अधिकांश डिफ़ॉल्ट कलर सेटिंग्स ठीक होते हैं। वास्तव में केवल एक ही सेटिंग है जिसे हमें बदलने की आवश्यकता है।

डिफ़ॉल्ट रूप से, फ़ोटोशॉप एक पूर्व निर्धारित कलर सेटिंग्स का उपयोग करता है जिसे North America General Purpose 2 के नाम से जाना जाता है। वर्किंग स्पेस फोटोशॉप को बताता है कि अलग-अलग परिस्थितियों के लिए किस कलर स्पेस का इस्तेमाल करना है। उदाहरण के लिए, फ़ोटोशॉप स्क्रीन पर छवियों को प्रदर्शित करने के लिए एक कलर स्पेस का उपयोग करता है। लेकिन यह प्रिंट के लिए एक अलग कलर स्पेस का उपयोग करता है। एक कलर स्पेस उपलब्ध रंगों की सीमा निर्धारित करता है। कुछ कलर स्पेस दूसरों की तुलना में रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। एक कलर स्पेस प्रदान किये गए कलर रेंज को कलर गयेमुट (color gamut) के नाम से जाना जाता है। वर्किंग स्पेस के तहत आपको 4 विकल्प मिलते है **स्क्रीन शॉट 3**। ये विकल्प आरजीबी, सीएमवाईके, ग्रे और स्पॉट हैं। चार में से केवल पहले आरजीबी स्पेस पर ही हमें ध्यान देना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्क्रीन पर हमारी छवियों को प्रदर्शित करने के लिए फ़ोटोशॉप आरजीबी स्पेस का उपयोग करता है। अन्य तीन विकल्प (सीएमवाईके, ग्रे और स्पॉट) को कमर्शियल प्रिंटिंग के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसलिए जब तक आप एक कमर्शियल प्रिंटर पर काम नहीं कर रहे हैं, आप अपने डिफ़ॉल्ट सभी तीन विकल्प वैसे ही छोड़ सकते हैं।

आरजीबी वर्किंग स्पेस

आइये आरजीबी स्पेस पर एक नजर डालते हैं। RGB लाल, हरा और नीला रंग को प्रदर्शित करता है। फोटोग्राफ को प्रदर्शित करने और एडिट करने के लिए फ़ोटोशॉप इसी स्पेस का प्रयोग करता है। लाल, हरा और नीला प्रकाश के तीन प्राथमिक रंग हैं। आपका कंप्यूटर, मॉनिटर, स्मार्ट फोन, टीवी और हर प्रकार की स्क्रीन एक RGB डिवाइस है। RGB डिवाइस स्क्रीन पर दिखाई देने वाले हर रंग को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न मात्रा में लाल, हरी और नीली रोशनी को मिलाते हैं। जब हम RGB वर्क स्पेस चुनते हैं तो फोटोशॉप उसी के अनुसार रंगो को निर्धारित करता है।

sRGB कलर स्पेस

1996 में Hewlett-Packard और Microsoft द्वारा sRGB कलर स्पेस बनाया गया था। यह स्पेस साधारण कंप्यूटर मॉनीटर पर उपलब्ध रंगों की सीमा के आधार पर एक स्टैण्डर्ड के रूप में तैयार किया गया था। आज भी अधिकांश मॉनिटर केवल रंग की sRGB रेंज प्रदर्शित कर सकते हैं। इसी कारण sRGB वेब के लिए डिफ़ॉल्ट कलर स्पेस है। डिजिटल कैमरों में आमतौर पर डिफ़ॉल्ट कलर स्पेस sRGB ही निर्धारित होता है। वास्तव में, कई फ़ोटोग्राफ़र इस बात से अनजान हैं कि उनके कैमरे के मेन्यू में कलर स्पेस का विकल्प भी होता है। आपका होम इंकजेट प्रिंटर भी डिफ़ॉल्ट रूप से sRGB को फोटोग्राफ के प्रिंटिंग के लिए इस्तेमाल करता है। और यहां तक कि Commercial Color Labs आमतौर पर यह उम्मीद करती है कि आपने अपने फोटोग्राफ sRGB में सेव कर उन्हें दिया है।

इन सभी कारणों से, Adobe ने निर्णय लिया कि फ़ोटोशॉप के डिफ़ॉल्ट RGB वर्किंग स्पेस को sRGB पर सेट करना सबसे अच्छा है क्योकि sRGB एक सुरक्षित विकल्प है। लेकिन सुरक्षित विकल्प हमेशा सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता है। जब फ़ोटोशॉप में छवि संपादन की बात आती है, तो "सुरक्षित" और "सर्वश्रेष्ठ" समान नहीं होते हैं। कारण यह है कि, चारों RGB कलर स्पेस की तुलना में sRGB में रंगों की सबसे छोटी रेंज होती है। sRGB कलर रेंज के एक तिहाई हिस्से को ही रिकॉर्ड कर सकता है जबकि एडोब आरजीबी में लगभग उन सभी-सभी रंगो को रिकॉर्ड कर सकता है जो हमारी आँखें देख सकती हैं। यह अंतर ग्रीन और स्यान रंगो में ज्यादा नजर आता है।

मानव आँख बनाम sRGB बनाम एडोबी कलर स्पेस

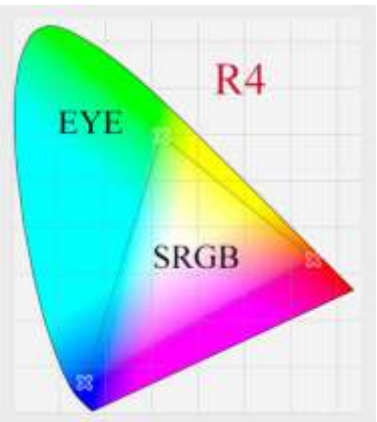

इसको समझने में के लिए, आइए **स्क्रीन शॉट R4** देखें। यह ग्राफ sRGB कलर स्पेस में काम करने के दौरान हमें उपलब्ध कलर रेंज दिखाता है। बाहरी, घुमावदार क्षेत्र उन सभी रंगों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें मानव आंख देख सकती है। बड़े आकार के अंदर एक छोटा त्रिकोण है। त्रिभुज के अंदर का क्षेत्र sRGB कलर स्पेस का प्रतिनिधित्व करता है।

त्रिकोण के बाहर का कोई भी रंग sRGB में उपलब्ध नहीं है। इसका मतलब यह है कि कई समृद्ध, अधिक संतृप्त और अधिक जीवंत रंग, विशेष रूप से हरा और स्यान, sRGB कलर स्पेस में अनुपलब्ध हैं। sRGB का बेहतर विकल्प एडोब आरजीबी है जो एडोब द्वारा 1998 में बनाया गया। एडोब आरजीबी sRGB की तुलना में रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इसे बनाने का मूल उद्देश्य यह था कि प्रिंट करने पर हमारे फोटोग्राफ बेहतर दिखें। कई उच्चकोटि के इंकजेट प्रिंटर में sRGB से Adobe RGB रंग स्थान पर बदलने की सुविधा होती है ताकि हमारे प्रिंट विस्तारित रंग रेंज से लाभ उठा सकें। डिजिटल कैमरे sRGB में उपलब्ध की तुलना में कहीं अधिक रंगों को कैप्चर करने में सक्षम हैं। बहुत से कैमरों विशेष रूप से डीएसएलआर में, एसआरजीबी से एडोब आरजीबी पर अपने डिफ़ॉल्ट रंग स्थान को बदलने का विकल्प होता है। यदि आप JPEGs शूट करते हैं, तो Adobe RGB फोटोग्राफ के अधिक रंगो को दिखायेगा। यदि आप अपनी छवियों को रॉ फाइलों के रूप में कैप्चर करते हैं, तो आपके कैमरे में कलर स्पेस सेटिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता है। रॉ फाइलों में कलर स्पेस बाद में सेट की जा सकती है।

क्या आपको sRGB के स्थान पर Adobe RGB का प्रयोग करना चाहिए?

कई डिजिटल कैमरे Adobe RGB में इमेज कैप्चर कर सकते हैं। कई इंकजेट प्रिंटर उन रंगों को पुनः उत्पन्न कर सकते हैं जो केवल एडोब आरजीबी में उपलब्ध हैं। इन दिनों हाई-एंड कंप्यूटर मॉनिटर भी उपलब्ध हैं जो लगभग एडोब आरजीबी कलर रेंज प्रदर्शित कर सकते हैं। तो, क्या आपको Photoshop के RGB वर्किंग स्पेस को sRGB से Adobe RGB में बदल देना चाहिए? अधिकांश मामलों में, इसका उत्तर हां है। एडोब आरजीबी sRGB की तुलना में रंगों की एक बहुत व्यापक रेंज प्रदान करता है। तो अगर आपका कैमरा उन्हें कैप्चर कर सकता है और आपका प्रिंटर उन्हें प्रिंट कर सकता है, तो फ़ोटोशॉप को छोटे, sRGB कलर स्पेस तक सीमित क्यों करें?

एडोबी RGB के बजाय sRGB चुनने के कुछ कारण हैं, sRGB एक सुरक्षित विकल्प है इसलिए कंप्यूटर मॉनिटर, कैमरा और इंकजेट प्रिंटर सभी डिफ़ॉल्ट रूप से sRGB पर सेट होते हैं। इसके अलावा, वेब पर छवियों और ग्राफिक्स के लिए sRGB कलर स्पेस का ही इस्तेमाल होता है। यदि आप मुख्य रूप से अपनी तस्वीरों को ऑनलाइन प्रदर्शित करते हैं, तो आप sRGB को आप चुन सकते हैं। यदि आप एक वेब डिज़ाइनर हैं, तो भी sRGB आपके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

फ़ोटोशॉप को Adobe RGB में सेट करना

एडोब आरजीबी की विस्तारित रंग रेंज का लाभ उठाना शुरू करने के लिए, हमें बस फ़ोटोशॉप के आरजीबी वर्किंग स्पेस को बदलना होगा। इसके लिए "SRGB IEC61966-2.1" विकल्प पर क्लिक करें और विकल्पों में से Adobe RGB (1998) चुनें **स्क्रीन शॉट R6**।

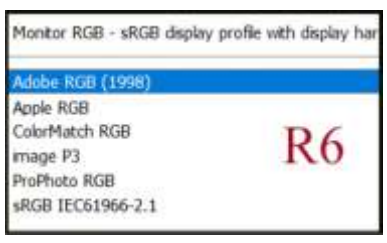

कलर मैनेजमेंट पालिसी

अब जब हमने फ़ोटोशॉप के RGB काम करने के स्थान को Adobe RGB में सेट कर दिया है, तो हमें फोटोशॉप के कलर मैनेजमेंट पालिसी को भी सही करना होगा।

भले ही हमने फ़ोटोशॉप को एडोब आरजीबी पर सेट किया है, पर आपको ऐसे फोटोग्राफ मिल सकते हैं जो sRGB में सेव किये गए थे। फ़ोटोशॉप उन छवियों को संभालने में सक्षम है जो एडोबी कलर स्पेस के अलावा अन्य कलर स्पेस का उपयोग करते हैं। डिफ़ॉल्ट रूप से, फ़ोटोशॉप केवल फोटो की मूल कलर प्रोफ़ाइल को वैसे ही रहने देगा छवि में रंग भी सही दिखेंगे, और आप छवि को सामान्य रूप से बिना किसी समस्या संपादित कर सकते हैं।

कलर मैनेजमेंट पॉलिसीज सेक्शन में हम फोटोशॉप को बताते हैं फोटोशॉप में खुलने वाले फोटोग्राफ की अगर कलर प्रोफ़ाइल मैच न करे तो वह उसको कैसे हैंडल करें। यहाँ हमें केवल यही सुनिश्चित करना है कि RGB, CMYK और Grey वर्किंग स्पेस Preserve Embedded Profile पर सेट हैं।

प्रोफ़ाइल मिसमैच और मिसिंग प्रोफ़ाइल चेकबॉक्स

RGB, CMYK और Grey विकल्प के नीचे तीन चेकबॉक्स मिलते है यहाँ आप फोटोशॉप को यह निर्देश दे सकते है कि फोटो खोलने या पेस्ट करने के समय प्रोफाइल मिसमैच हो तो फोटोशॉप को क्या करना है या जहाँ छवि का कोई कलर प्रोफ़ाइल नहीं है तो वह वह क्या करे। वेब से डाउनलोड की गई छवियों में अक्सर उनके साथ जुड़ा रंग प्रोफ़ाइल नहीं होता है। यदि आप इन विकल्पों का चयन करते हैं, तो हर बार जब आप एक अलग कलर प्रोफ़ाइल के छवि खोलने के लिए जाते हैं, तो फ़ोटोशॉप पूछेगा कि वह इसे कैसे खोले इस प्रश्न से बचने के लिए और फ़ोटोशॉप को सामान्य रूप से छवियों को खोलने दें, इन विकल्पों को चेक न करें।

अपनी कलर सेटिंग को सेव करना

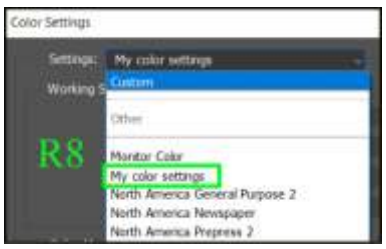

एक बार जब आप फोटोशॉप की कलर सेटिंग को sRGB से Adobe RGB में बदल देते हैं, तो अपनी नई कलर सेटिंग को सेव कर लेना चाहिए। इसके लिए सेव बटन पर क्लिक करें, अपनी कलर सेटिंग को एक नाम दे जैसे मैंने My color setting नाम दिया है और फिर, सेव बटन क्लिक करें। सेव दबाने पर कलर सेटिंग्स कमेंट डायलॉग बॉक्स खुलेगा। यहाँ, आप अपनी सेटिंग्स के लिए एक विवरण दर्ज कर सकते हैं कि ये सेटिंग्स क्या हैं। अब आप ओके बटन पर क्लिक करें। आपकी कस्टम फ़ोटोशॉप कलर सेटिंग अब सेव हो गई हैं। अब आप उन्हें किसी भी समय फिर से सेटिंग्स विकल्प से चुन सकते हैं।

अब आप फोटोशॉप को खोले और कलर सेटिंग्स, कलर स्पेसेस, वर्किंग स्पेस को बदल कर देखे। अगले अंक में फिर मिलेंगे, तब तक के लिए अलविदा।

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020

फोटोग्राफ में एक चीज जरूर होनी चाहिए और वह है उस लम्हे की मानवता - राबर्ट फ्रैंक

कौसानी में बुरांश रिट्रीट द्वारा पहली लैंडस्केप और एडवांस फोटो एडिटिंग कार्यशाला

11 से 14 दिसंबर तक कौसानी में पहली लैंडस्केप और एडवांस फोटो एडिटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिमालयन स्टडी सेंटर विगत 5 वर्षो से कौसानी में फोटोग्राफी की कार्यशालाओं का आयोजन करता आ रहा है। यहाँ फोटोग्राफर्स के ज्ञानवर्धन के लिए केवल रहने और खाने का खर्च लेकर मुफ्त कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इन कार्यशालाओं की लोकप्रियता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है की मार्च 2019 में होने वाले कार्यशाला का विज्ञापन जब 4 महीने पहले किया गया तो मात्र 2 दिनों में इसकी सारी सीटे फुल हो गयी और आवेदनों की संख्या और अनुरोध पर दो कार्यशालाओं का आयोजन करना पड़ा। इन कार्यशालाओ में फोटोशॉप की भी जानकारी दी जाती थी पर समय की कमी के कारण इसमें केवल मुख्य बातों के बारे में बतलाया जाता था। डेलीगेट्स की बहुत दिनों से मांग को ध्यान रखते हुए इस बार दिसंबर में 4 दिनों की पहली बार डिजिटल एडिटिंग एवं लैंडस्केप की कार्यशाला का आयोजन किया गया। डेलीगेट्स अच्छी तरह से सीख सकें इसका ध्यान रखते हुए उनकी संख्या केवल 15 रखी गयी। इसमें लैंडस्केप फोटोग्राफी की जानकारी जाने माने लैंडस्केप फोटोग्राफर श्री थ्रीस कपूर द्वारा दी गयी और डिजिटल एडिटिंग की कार्यशाला एडोबी एक्सपर्ट श्री राजेंद्र प्रसाद द्वारा ली गयी।

इस बार के डेलीगेट्स खुशनसीब थे कि उन्हें अप्रत्याशित रूप से एक दिन बर्फ़बारी देखने का अवसर मिला। बर्फ़बारी के बाद दूसरे दिन डेलीगेट्स को 25 किलोमीटर ऊपर पहाड़ो पर ले जाया गया ताकि वे बर्फ से ढके लैंडस्केप्स ले सके। थ्रीस जी के मार्गदर्शन में डेलीगेट्स ने लैंडस्केप की बारीकियां सीखी। फोटोशॉप की कार्यशाला में श्री राजेंद्र प्रसाद ने फोटोशॉप, लाइटरूम और ब्रिज सॉफ्टवेयर के बारे में बताया। इस कार्यशाला में उन्होंने फोटोशॉप के नए वर्जन में कैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर फोटो एडिटिंग आसान बनायीं जा सकती है इसे करके दिखाया। उन्होंने फ्रीक्वेंसी सेपेरशन नामक स्किन सॉफ्टनिंग विधि को सिखाया और बतलाया की कैसे इस विधि का उपयोग कर त्वचा के टेक्सचर को बरक़रार रखते हुए उसे सॉफ्ट बनाया जा सकता है। इसके आलावा उन्होंने liquify, HDR, पैनोरमा, वैनिशिंग पॉइंट, कलर ग्रेडिंग, सिनेमेटिक कलर, लेयर, मास्क, क्लिपिंग मास्क, ब्लेंडिंग मोड्स, आदि की भी जानकारी दी। उन्होंने ब्लेंडइफ द्वारा बिना सिलेक्शन किये हुए किसी लैंडस्केप में आकाश को कैसे बदला जा सकता है इसे सिखाया जिसे डेलीगेट्स ने बहुत पसंद किया।

महान विभूतियाँ

डॉ. जी. थॉमस

FRPS, FPSA, Hon. FRPS, Hon. FPSA, Hon. EFIAP, Hon. FNPAS, Hon. FPSC, Hon. PSI, Hon. YPS

(1907 - 1993)

डॉ. जी. थॉमस

स्टूडियो न्यूज का यह अंक बेहद खास है क्योंकि इस बार इस अंक में डॉ. जी. थॉमस के बारे में विस्तारपूर्वक लेख प्रस्तुत है। डॉ. जी थॉमस भारतीय फोटोग्राफी के वरिष्ठतम हैं, डॉ. थामस देश में फोटोग्राफी की इकलौती प्रीमियर राष्ट्रीय संस्था "फेडरेशन ऑफ इंण्डियन फोटोग्राफी" के संस्थापक थे।

यह अंक काफी पहले आ जाना चाहिए था लेकिन डॉ. थॉमस की अधिक तस्वीरें न उपलब्ध होने के कारण रूका हुआ था - वाकई दुर्भाग्य की बात है।

मैं शुक्रगुजार हूँ अपने वरिष्ठ एवं मित्र श्री पी.सी. धीर साहब का जिन्होनें में मुझे डॉ. थामस के कई छायाचित्र उपलब्ध कराये जिसके कारण स्टूडियो न्यूज में डॉ. थामस पर ये लेख संभव हो पाया।

100 वर्षों से भी कुछ वर्ष पूर्व 15 अप्रैल 1907 को एक ऐसे महत्वपूर्ण भारतीय ने जन्म लिया जिसके भाग्य में महान उपलब्धियां लिखी थीं। वह थे जी. थॉमस। युवावस्था में उन्होंने मेडिसिन की पढ़ाई की लेकिन उनका शौक फोटोग्राफी था, उनकी यह दोनों पसंद आजीवन उनके साथ चलीं। उनका डॉक्टर का सफर बेहतरीन था, लेकिन फोटोग्राफी के जज्बे ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की ऊचाईयों पर पहुंचाया।

अंतरराष्ट्रीय सैलून व विदेशों में अपने रचनात्मक लैंडस्केप प्रदर्शित कर यह डॉक्टर वाकई में विश्वविख्यात हो गये। मद्रास से 1929 में एमबीबीएस डिग्री लेने के बाद उन्होंने मद्रास, कानपुर, जयपुर के अस्पतालों में डॉक्टरी की प्रैक्टिस की।

फोटोग्राफी में उनकी दिलचस्पी 12 साल की उम्र में परवान चढ़ी लेकिन 1937 में उन्होंने इसे अधिक गंभीरता से लेना शुरू कर दिया जब वह फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य बने। उन्होंने 1940 पोर्टफोलियो सर्किल की स्थापना की व इसे सफलतापूर्वक चलाया और 1945 में वह मैसूर फोटोग्राफिक सोसाइटी के संस्थापक बने। भारतीय फोटोग्राफी के इतिहास में यह दोनों घटनाएं अभूतपूर्व हैं।

डॉ. जी. थॉमस ने भारतीय फोटोग्राफी जगत की एक गंभीर बीमारी खोज निकाली। उन्होंने पाया कि भारत में जितने भी फोटोग्राफी क्लब हैं सभी एक दूसरे से बहुत कटे हुए हैं। दूर-दूर तक कोई सामंजस्य नहीं है। इस बीमारी का इलाज तो करना ही था और वो भी बहुत जल्दी।

डॉ. थॉमस ने इसे एक चैलेंज की तरह लिया और कमर कस ली। डॉ. थॉमस ने भारत के कोने-कोने में बसे फोटो क्लब में जाना शुरू किया और शौकीन लोगों को अपने साथ जोड़ा, कई सौ खत लिखे। उनका एक ही ध्येय था, कि एक जैसी सोच और रूचि रखने वालों को एकसाथ किया जाए।

मेहनत रंग लाने लगी थी, लोगों ने जुड़ने के लिए हाथ आगे किए - इनमें कुछ लोग थे - मद्रास के वकील ए. अरूणाचलम, इंजीनियर डॉ. बी. के. मुखर्जी, अप्लाइड केमिस्ट श्री डी. पी. दत्ता, नागपुर के फोटोग्राफिक डीलर बालाजी लाल सेन, अहमदाबाद के व्यापारी श्री टी. एफ. गेति, पॉण्डिचेरी के फोटोग्राफर श्री आर. आर. गांगुली, अलाहाबाद के मर्चेंट श्री एस. एच. एच. रिजवी व अन्य। ये सभी लोग सीरियस फोटो आर्टिस्ट थे जो कि देश में अलग-अलग फोटो क्लब का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

इसी तरह भारत की प्रीमियर संस्था का गठन हुआ- फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी। डॉ. थॉमस ने महानतम शख्सियत सर सी. वी. रमन को FIP के उद्घाटन के लिए 20 जनवरी, 1953 को आमंत्रित किया। डॉ. थॉमस के लिए हालांकि यह अंत नहीं था बल्कि अपने मिशन की शुरूआत थी। फेडरेशन के मेमोरैंडम व आर्टिकल बनाए गए, नियम व कायदे-कानून लिखे गए और बॉडी का गठन हुआ। प्रथम पदाधिकारी चुने गए व FIP की पहली कमेटी बनी।

अगले चरण में, कई डिविजन बने व व्यूफाइंडर को FIP ने अपने जर्नल के रूप में एडाप्ट कर लिया। व्यूफाइंडर मैसूर फोटोग्राफिक सोसाइटी का ऑफिशियल जर्नल था जिसे जर्नल को चलाने में कठिनाइयां आ रही थीं। इसके बाद, कॉरपोरेट मेंबर क्लब व कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ने लगी। अंग्रेजी भाषा में शानदार व अद्भुत विचारों के धनी डॉ. थॉमस ने अपनी प्रतिभा व्यूफाइंडर के संपादक के तौर पर भी खूब दिखाई।

उनकी निजी उपलब्धियों के बारे में बात करें तो उन्होंने भारतीय फोटोग्राफी को पूरी तरह बदल कर ही रख दिया। फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका व फेडरेशन इंटरनेशल डी आर्ट फोटोग्राफीक के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के साथ उन्होंने भारतीय फोटोग्राफी को एक राष्ट्रीय आंदोलन में परिवर्तित कर दिया। बतौर निर्णायक, आलोचक, लेखक,

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020

अगर आप फोटोग्राफ के जरिये सड़क की महक को महसूस कर सकते हैं तो यह स्ट्रीट फोटोग्राफी है। - ब्रूस गिल्डेन

लेक्चरर, मार्गदर्शक, मित्र, उनका मुकाबला किसी से नहीं किया जा सकता।

यह बात काफी प्रचलित है कि डॉ. थॉमस हर पत्र का जवाब 24 घंटों के भीतर दिया करते थे। ऐसी भी बातें कही जाती हैं कि पेन से लिखते-लिखते जब पेन की इंक खत्म हो जाती थी तो डॉ. थॉमस पेंसिल से लिखना शुरू कर देते थे, उनका मानना था कि समय बिलकुल गंवाना नहीं चाहिए।

डॉ. जी. थॉमस सेक्रेटरी व उसके बाद सेक्रेटरी जनरल ऑफ फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के पद पर लगभग 40 साल रहे। यहाँ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बुलंदियों पर इंडियन फोटोग्राफी को पहुंचाया और एक सम्मानित जगह प्रदान की।

फोटोग्राफी में उनके अभूतपूर्व योगदान को देखते हुए रॉयल फोटोग्राफिक सोइसाटी ऑफ ग्रेट ब्रटेन, द फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ अमेरिका व फेडेरेशन इंटरनेशनल डी-लॉ आर्ट फोटोग्राफीक ने अपने सबसे श्रेष्ठ सम्मान दिए - Hon. FRPS, Hon. FPS व Hon. EFIAP।

डॉ. थॉमस ने अपने स्टाइल को क्लासिको-रोमैंटिस का दर्जा दिया जो कि क्लासिक से भी अधिक रोमांटिक था। वो उच्चतम से भी अधिक थे, वह इलस्ट्रेटर नहीं थे, क्रिएटर थे, सब्जेक्ट मैटर का इस्तेमाल करते हुए लाइन, टोन व मूड का कंपोजिशन बनाने में माहिर थे। उनका मानना था कि रचनात्मकता के लिए सिंसयरिटी, डिजायर और अनुशासन अत्यंत आवश्यक हैं।

डॉ. जी. थॉमस कई भारतीय फोटोग्राफर्स के लिए प्रेरणा थे। अगर ये कहा जाए कि चालीस वर्षों तक डॉ. थॉमस फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी थे और फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी डॉ. थॉमस थे, तो यह कहीं से भी गलत नहीं होगा। वह फोटोग्राफी की दुनिया से भी बहुत आगे थे। महान विभूति डॉ. जी. थॉमस ने 86 वर्ष की उम्र में 17 अप्रैल, 1993 में अपना शरीर त्याग दिया, और पूरी दुनिया ने एक जगमगाता सितारा खो दिया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

स्टूडियो न्यूज

फोटो देखिए ही नहीं पढ़िए भी

2020

Model : Suja | MakeUp : Sowmya | Photo by : R.Prasana Venkatesh | Camera : Sony A7R Mark IV | Softbox : Jenie BX65 Pro | Retouch : Atma Retouch

	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M
JAN				1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31			
FEB							1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29		
MAR	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31						
APR				1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30				
MAY						1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	
JUN		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30						
JUL				1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31			
AUG							1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
SEP			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30					
OCT					1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31		
NOV	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30							
DEC			1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31				

नेपाल ... छायाकारों का स्वर्ग

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP
इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

भारत से नेपालः

सबसे पहले तो मैं अरिग चक्रवर्ती का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जो कि हमारे टीम लीडर थे और इस लेख के लिए उन्होंने मेरी बहुत सहायता की।

मेरे ख्याल में यदि आप नेपाल घूमने के लिए जा रहे हैं तो गोरखपुर से होते हुए सनौली बॉर्डर नेपाल को क्रॉस करने का सबसे अच्छा बॉर्डर है। वैकल्पिक रूप से रक्सॉल बॉर्डर भी अच्छा है यदि आपको जल्दी काठमांडु पहुंचना है।

मैं रक्सॉल से काठमांडु गया था। यह करीब 150 किमी है और मुझे करीब छह घंटे लगे। सड़कें धूल से भरी हुई हैं। Fig. 1 व Fig. 2 में आप देख सकते हैं कि नेपाल का प्रवेश द्वार धूल से भरा हुआ है।

Fig.1

Fig.2

काठमांडू (ऊंचाई-1400 मीटर)

विशाल झील के सूखने के बाद यह जगह खोजी गई, महान विभूतियों का यहां आगमन हुआ और लगभग हर गली में एक या दो मंदिर स्थापित हैं। काठमांडु एक ऐसा शहर है जहां अविश्वसनीय विविधताएं हैं, एतिहासिक रूप से अद्भुत है और लाजवाब रूप से बना हुआ है। शानदार लकड़ी का बारीक काम जो कि कई सदी पूर्व कलाकारों की प्रतिभा को दर्शाता है। हिंदू व बुद्ध दोनों ही काठमांडू में रहे हैं और यहां के निवासी इन्हीं दोनों धर्मों को मानते हैं व अराधना करते हैं।

यहां यदि आएं तो काठमांडू दरबार स्क्वायर, पशुपतिनाथ मंदिर, बौधनाथ स्तूप, स्वयंभूनाथ स्तूप और पाटन दरबार स्क्वायर अवश्य जाएं।

Fig.3(बौधनाथ स्तूप)

Fig.4 (स्तूप पर पूजन सामग्री बेचते हुए)

Fig.5 (पाटन दरबार स्क्वायर)

Fig.6 (दरबार स्क्वायर)

नागरकोटः (बागमती जोन, जिला भक्तापुर, ऊंचाई- 2175 मीटर)

नेपाल के केंद्र में काठमांडू के किनारे, एक गांव नागरकोट बसा हुआ है। यह हिमालय से अपने नजारे के लिए जाना जाता है, इसमें शामिल है उत्तर-पूर्वी की ओर का माउंट एवरेस्ट जिसका अप्रतिम सौंदर्य सूर्योदय व सूर्यास्त के समय ही नजर आता है। यह ट्रेल व कई प्यारी तितलियों से घिरा हुआ है।

नागरकोट व्यू प्वाइंट टॉवर

कौन नहीं चाहता कि अपना समय हिमालय पर्वत की ऊंची शिखा को निहारते हुए बिताए? हिमालय के तमाम किस्से-कहानियों को वर्षों से सुनते आने के बाद ऐसी खूबसूरती देखना धन्य भाग्य सरीखा है। नागरकोट आने के बाद लोग व्यू प्वाइंट टॉवर से हिमालय को जरूर देखते हैं।

काठमांडु से नागरकोट की दूसरी तकरीबन 30 किलोमीटर है और हमें करीब 1 घंटा लगा पहुंचने में। मौसम बेहद ठंडा था -6 डिग्री।

यहां देखने वाली जगह हैं- विंध्यावासिनी मंदिर, मोहनपोखरी वॉटरफॉल व नागरकोट वॉटरफॉल।

यहां से हिमालयन रेंज आसानी से दिखती हैं। देखिए- Fig. 7 व 8 (पेज नं. 11), 9, 10 - 11.

Fig.9 (व्यूप्वाइंट)

Fig.10 (सूर्योदय का नजारा)

Fig.11 (सूर्यादय से ठीक पहले का नजारा)

भक्तापुर (ऊंचाई-1330 मीटर)

ख्वोपा नाम से भी जाना जाता है भक्तापुर। यह काठमांडू के तीन नेवा राज्यों से सबसे बड़ा था व मल्ला राज्य के दौरान 15वीं सदी के मध्य तक नेपाल की राजधानी भी रहा। इसकी जनसंख्या 81,728 से भी अधिक है जिसमें अधिकतर नेवा नेपाली हैं। ऐतिहासिक रूप से यह काठमांडू व पाटन से पृथक है व नेपाली भाषा की एक दूसरी किस्म भक्तापुर में बोली जाती है।

यहां सर्वश्रेष्ठ महल व पुराना सिटी सेंटर है, और भक्तापुर को अपनी अद्भुत संस्कृति, मंदिरों, लकड़ी, धातु व पत्थर के बारीक कलाकृतियों के लिए UNESCO द्वारा विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है।

कई ऐसी इमारतें अब दोबारा अच्छी व्यवस्था में लाई जा रही हैं जो कि 2015 में नेपाल में आए भूकंप में पूरी तरह बर्बाद हो गई थीं।

यहां देखने वाले स्थान हैं- भैरवनाथ मंदिर, भक्तापुर आर्ट गैलरी, ब्रास व ब्रॉन्ज म्यूजियम, दत्तात्रेय मंदिर, गोल्डन गेट, इत्यादि।

देखिए Fig. 12, 13, 14, 15, 16 - 17.

Fig.12 (खुखरी बेचते लोग)

Fig.13 (दरबार स्क्वायर)

Fig. 14 (स्क्वायर)

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020

कैमरा एक उपकरण है जो लोगों को सिखाता है कि कैमरे के बिना कैसे देखा जाए - डोरोथे लांगे

Fig.7 (व्यूप्वाइंट से पैनोरमा)

Fig.8 (अलग-अलग जगहों से सूर्यास्त पर पैनोरमा)

Fig. 15 (खुखरी को संतुलित करना)

Fig.16 (सड़कों का जीवन)

Fig.17 (पॉटरी बनाना)

पोखराः (गंडाकी जोन, जिला कास्की, ऊंचाईं- 1400 मीटर)

नेपाल के मध्य में फेवा झील पर बसा है पोखरा शहर। यह हिमालय की मशहूर ट्रेल अन्नपूर्णा सर्किट के गेटवे के नाम से भी जाना जाता है। झील के किनारे है ताल बरहि मंदिर। पूर्वी तट पर योग केंद्र व कई रेस्त्रां हैं। शहर के दक्षिणी ओर, अंतरराष्ट्रीय पर्वत संग्रहालय में पर्वतारोहियों व हिमालय के लोगों के इतिहास को प्रदिर्शित किया गया है।

यहां देखने वाले मुख्य स्थान हैं- फेवा झील, अंतरराष्ट्रीय पर्वत संग्रहालय, देवीज़ फॉल, रूपा झील, बरहि मंदिर व गोर्खा संग्रहालय।

हेलीकॉप्टर्स व माउंटेन फ्लाइट आपको पोखरा एयरपोर्ट से अन्नूपूर्णा रेंज तक ले जाएंगी। पैराग्लाइडिंग, बंगी जंपिंग, माइक्रो लाइट फ्लाइट, कायाकिंग इत्यादि एडवेंचर खेल के लिए भी जाना जाता है पोखरा।

यकीन मानिये, फेवा झील इतनी आकर्षक है कि मैंने अपना अधिकतर समय वहीं व्यतीत किया। Fig. 18,19,20 व 21 में रंग देखिए।

Fig.18 (फेवा झील)

Fig.19 (फेवा झील)

Fig.20 (फेवा झील)

Fig.21 (हैंगिंग ब्रिज)

धामपसः (गंडाकी जोन, कास्की जिला, ऊंचाई- 1650 मीटर)

मैं पोखरा से धामपस गया जो कि करीब 25 किलोमीटर दूर है। मुझे तकरीबन एक घंटे का समय लगा। यहां से अन्नपूर्णा रेंज का नजारा काफी करीब है। देखिए Fig. 22, 23, 24 व 25। धामपस कई ट्रेक के लिए अंतिम व शुरूआती बिंदु है। यदि आप पर्वतों का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आप यहां के ऑस्ट्रेलियाई बेस कैंप से छोटी हाइक ले सकते हैं।

Fig.22 (फिश टेल माउंटेन)

माउंट एवरेस्ट-

मेरी यात्रा का सबसे रोचक भाग था दुनिया के ऊंचे शिखर को देखना व कैप्चर करना, यानि कि माउंट एवरेस्ट बेहद नजदीक से (20 मील की दूरी)। मैंने काठमांडू से माउंटेन फ्लाइट ली। बुद्धा एयर व येति एयरलाइन्स आपको काठमांडू से माउंटेन फ्लाइट देते हैं। यह मौसम को देखते हुए सुबह से शुरू हो जाती हैं।

मुझे माउंट एवरेस्ट मिलाकर हिमालय रेंज का चक्कर लगाने में करीब एक घंटा लगा। फ्लाइट के कॉकपिट से एवरेस्ट कैप्चर करने का सुनहरा अवसर मिला जो कि मेरे लिए अविश्वसनीय था।

Fig.23

Fig.24 (गांव की खेती)

Fig.25 (स्टार ट्रेल)

फूड फोटोग्राफी और कम्पोजीशन

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

अच्छी तस्वीरे खींचने के लिए जहाँ कैमरा और उसकी सेटिंग्स को भलीभांति समझना आवश्यक है, वहीं उसमें उपस्थित सभी वस्तुओं का आपस मे परस्पर तालमेल बना कर फोटो खींचना उससे भी कहीं ज़्यादा जरूरी है। एक सामान्य सी तस्वीर को अद्भुत कलाकृति की श्रेणी मे लाने के लिए कम्पोजीशन का बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। फोटोग्राफी विशुद्ध नियमो से परे है, जिन्हे हम अक्सर फोटोग्राफी के नियम कहते हैं, वह असल मे कुछ स्टैण्डर्ड टेक्निक्स या गाइड लाइन्स है जो कि अच्छी तस्वीरें खींचने मे मदद करती हैं। कई बार इन स्टैण्डर्ड टेक्निक्स का पालन न करते हुए भी खूबसूरत तस्वीरे खींची जा सकती हैं, पर उस **'ब्रेकिंग द रूल्स'** के स्तर तक पहुँचने के लिए हमें इन कम्पोजीशन की गाइडलाइन्स, जिन्हे फोटोग्राफी की भाषा मे रूल्स ऑफ़ कम्पोजीशन कहते हैं को समझना अत्यंत आवश्यक है।

कम्पोजीशन की तकनीक को समझने से पहले हमे कम्पोजीशन का मूल अर्थ समझना होगा। कम्पोजीशन का अर्थ है संयोजन अर्थात चित्र मे उपस्थित सभी वस्तुओं का आपस मे ताल मेल बनाना ताकि संपूर्ण तस्वीर बैलेंस्ड लगे।

फूड फोटोग्राफी मे भी कम्पोजीशन बहुत अहम भूमिका निभाता है, समझदारी से कंपोज़ किया हुआ साधारण सा खाद्य पदार्थ प्रॉप्स के साथ जहाँ उस पदार्थ को हाईलाइट कर उसे हीरो फूड (सबसे मुख्य सब्जेक्ट) की तरह दिखाता है वही आँखों का ध्यान उधर खींच कर हमारी स्वाद कलिकाओं को भी सक्रिय कर देता है। उदाहरण के तौर पर एक बर्गर के विज्ञापन मे जहाँ एक खूबसूरत सा बर्गर दिखता है, वहीं साथ मे उसके फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, कोला, केचप इत्यादि भी दिखते हैं, परन्तु उस पिक्चर में हमारा ध्यान सिर्फ बर्गर पर ही क्यों जाता है? क्योकि बर्गर को हीरो फूड बनाने के लिए कुछ ऐसे कंपोज़ किया जाता है कि हमारी आँखें उसी पर आकर ठहरे, पर यदि केचप, फ्रेंच फ्राइज या कोला का विज्ञापन है तब भी तस्वीर में ये सभी मौजूद रहेंगे बस दर्शाने वाली वस्तु के हिसाब से कम्पोजीशन मे फेर बदल कर दिया जायेगा। सब्जेक्ट के प्लेसमेंट के आलावा रंग, टेक्सचर और कभी-कभी लाइट भी कम्पोजीशन को बेहतर बनाने मे काफी सहयोग देती हैं। फूड फोटोग्राफी या स्टिल लाइफ में वस्तुओं की जगह बदल कर कम्पोजीशन को नया आयाम दिया जा सकता है।

गोल्डन ट्रायंगल

गाइडिंग ट्राइंगल

यह कहना गलत न होगा की कम्पोजीशन फूड फोटोग्राफी की मेरूदंड है। डिजिटल युग में जहाँ फोटो के रंग, वाइट बैलेंस इत्यादि आसानी से फोटोशॉप या अन्य एडिटिंग टूल्स द्वारा संभाले जा सकते हैं वहीं पिक्चर खींचने के बाद उसके कम्पोजीशन को सुधारना काफी कठिन होता है। हाँ कभी-कभी थोड़ी बहुत क्रॉपिंग कर के पिक्चर को संभाला ज़रूर जा सकता है परन्तु उसकी भी गुंजाइश कई बार सीमित हो सकती है, इसलिए क्लिक करते समय कम्पोजीशन का ध्यान रखना सबसे सरल उपाय है। कम्पोजीशन के साथ-साथ फोकल लेंथ, अपर्चर, एंगल इत्यादि का सही चयन कर के फूड को एक कहानी के रूप में बुना जा सकता है।

'स्टार्ट विथ द आईडिया' - अर्थात फूड फोटोग्राफी करते समय आप के सामने क्लियर आईडिया होना ज़रूरी है, पिक्चर का सब्जेक्ट क्या है और आप उसको कैसे या किस थीम के मुताबिक दिखाना चाहते हैं यह पहले से दिमाग में बिलकुल साफ़ होना चाहिए। यह आपका कार्य न सिर्फ आसान कर देगा, बल्कि समय का समुचित उपयोग करते हुए, फोटो के लिए खाद्य पदार्थ की ताज़गी को भी बनाये रखेगा।

बेसिक रूल्स ऑफ़ कम्पोजीशन -

रूल ऑफ़ थर्ड - इस नियम के अंतर्गत यदि किसी चित्र को 2 बेड़ी एवं 2 खड़ी रेखाओं की मदद से विभाजित किया जाये, तो तस्वीर के मुख्य तत्त्व (प्राइम एलिमेंट्स) किसी रेखा या किसी कटान बिंदु पर होने चाहिए। इस स्थान पर सब्जेक्ट को रखने से, देखने वाले की नज़र उस पर अधिक देर तक ठहरती हैं। कैमरे में इसके लिए एक सहायक ग्रिड का ऑप्शन होता है जो कि लाइव व्यू मे फ्रेम करते समय बहुत सहायता करता है।

गोल्डन ट्रायंगल - यह चित्र मे गतिशीलता लाता है और देखने वाले की नज़रों को संपूर्ण फ्रेम में घूमने का अवसर देता है। इसके अंतर्गत पिक्चर को डायगनल रेखाओं द्वारा डिवाइड करके उस पर ऑब्जेक्ट्स प्लेस किये जातें हैं।

गाइडिंग ट्राइंगल के अनुसार चित्र मे त्रिभुज या त्रिकोण के आधार पर वस्तुए रखी जाती हैं। यह नियम चित्र में संतुलन का आभास कराता है।

लीडिंग लाइन्स - जब बेड़ी, खड़ी या तिरछी काल्पनिक रेखाए मार्गदर्शक बन के दर्शक की नज़रो को मुख्य विषय तक ले जाये तब वह लीडिंग लाइन्स कहलाती हैं। फूड फोटोग्राफ्स मे अक्सर छुरी, काटें, चम्मच लीडिंग लाइन्स की भूमिका निभाते हैं। फ्रेम में काल्पनिक रेखाओं बना कर उसपे रखे हुए खाद्य पदार्थ न सिर्फ चित्र में बैलेंस प्रदान करते हैं बल्कि विभिन्न रेखाओं के द्वारा रचनात्मक लय भी प्रदान करते हैं।

रूल ऑफ़ कर्व्स (Curves) - लीडिंग लाइन्स की तरह चित्र मे घुमावदार कर्व्स या मुड़ती झुकती हुई रेखाएं दर्शक की आँखों को फ्रेम में घूमने का अवसर देती हैं और फ्रेम मे गतिशीलता लाती हैं। मूवमेंट या गति वाले शॉट्स जैसे की गिरते तरल पदार्थ या कर्व मे रखी हुए वस्तुए कम्पोजीशन मे चार चाँद लगा देती हैं।

रूल ऑफ़ ऑड्स - इसके अंतर्गत चित्र में एक से ज़्यादा समरूप वस्तुएं होने पर विषम संख्या (ओड नंबर) 3, 5 का प्रयोग करना चाहिए। साधारण सा प्रतीत होने वाले यह नियम चित्र मे सामंजस्य एवं संतुलन का आभास कराता है और कम्पोज़िशनल पैटर्न बनाने मे मदद करता है।

नेगेटिव स्पेस - चित्र मे सब्जेक्ट के इर्द गिर्द छोड़ी गयी खाली जगह को नेगेटिव या वाइट स्पेस कहते हैं। अक्सर अनुपात से ज़्यादा होने पर यह पिक्चर मे अत्यंत सराहनीय लगती है और सब्जेक्ट पर संपूर्ण ध्यान खींचती हैं।

इन कम्पोजीशन के दिशा निर्देशों को साथ साथ स्केल और प्रपोरशन यानी पैमाना और अनुपात, फोकल पॉइंट, कैमरा एंगल, ओरिएंटेशन इत्यादि पर थोड़ा ध्यान देकर साधारण सी दिखने वाली फूड फोटोग्राफ्स को कही बेहतर बनाया जा सकता हैं।

रूल ऑफ़ थर्ड

रूल ऑफ़ कर्व्स

नेगेटिव स्पेस

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020

एक बेहतर फोटोग्राफ इतिहास का दरवाजा तो खोलता ही है साथ ही भविष्य को देखने का मौका भी देता है - शैलीमैन

2020 के दौर में स्मार्टफोन फोटोग्राफी

वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** बता रहे हैं नए साल में आने वाली स्मार्टफोन से जुड़ी नए टेक्नोलॉजी के बारे में।

2020 की शुरूवात हो चुकी है। निश्चित रूप से 2018-19 में स्मार्टफोन कैमरा टेक्नोलॉजी तेज़ी से आगे बढ़ी थी और फ़ोन कैमरा स्मार्टफोन ग्राहकों को अपनी तरफ खींचने का सबसे महत्वपूर्ण कारक बन गए थे। आज बाज़ार में मल्टी लेंस सेटअप, 10× ऑप्टिकल ज़ूम, बेहतर लो- लाइट परफॉरमेंस और AI-टेक्नोलॉजी से लैस फ़ोन मौजूद है। 108 मेगापिक्सेल का शाओमी MI नोट10, 100+ मेगापिक्सेल फ़ोन होने का तमगा हासिल कर चुका है। फ़ोन कैमरा टेक्नोलॉजी इतनी एडवांस हो चुकी है कि अब कुछ बहुत नया होने की गुंजाईश कम लगने लगी है। आइए बात करें कि अलग-अलग फ़ोन ब्रांड क्या नया प्लान कर रहे है।

हर साल दुनिया में फ़ोन से सम्बंधित कई इवेंट होते है जैसे गूगल अक्टूबर में, आईफोन सितम्बर में, सैमसंग फरवरी और क़्वालकॉम दिसंबर में स्नैपड्रैगन-समिट करता है। जहाँ एक तरफ फ़ोन ब्रांड्स का मकसद अपने नए आने वाले मॉडल्स के बारे में जानकारी देना होता है वही दिसंबर 2019 में हुए सम्मलेन में क्वालकॉम ने कैमरा से जुड़े इनोवेशन को स्नैपड्रैगन-865 का मुख्य फीचर बताया था। कंपनी के अनुसार इस प्रोसेसर की सहायता से फ़ोन में न केवल 8K वीडियो बनान संभव होगा बल्कि गीगा-पिक्सल इमेज प्रोसेसिंग भी संभव हो जाएगी। यानि जल्द ही 200 मेगापिक्सेल के फ़ोन कैमरा भी हकीकत बन जाएगे।

क्वालकॉम के चिपसेट ज़्यादातर एंड्राइड फ़ोन में इस्तेमाल होते है इसीलिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी साल 2020 में फ़ोन का मुख्य आकर्षण बने रहेगे। एप्पल और हुआवे भी इस पर तेज़ी से काम कर रहे है।

किसी एक ब्रांड या फ़ोन को सबसे बेहतर नहीं कहा जा सकता, रोज़ ही नए-नए इनोवेशन हो रहे है और नए फ़ोन मॉडल लांच होते रहते है। अन्य ब्रांड्स की तरह एप्पल का फोकस पिक्सल काउंट बढ़ाने की जगह पिक्सल की क़्वालिटी पर ज़्यादा रहा है। एप्पल के नए मॉडल आईफोन-11 और 11-प्रो में 12 मेगापिक्सल के 2 या 3 रियर कैमरा (वाइड, अल्ट्रावाइड और 2X टेलीफ़ोटो) मौजूद हैं वही कुछ ब्रांड 48 और 64 मेगा पिक्सेल के 4 कैमरा सेटअप तक की सुविधा दे रहे हैं। एंड्राइड सेगमेंट के अलग-अलग फ़ोन में अलग-अलग मेगा-पिक्सल और मल्टी कैमरा सेगमेंट वाले फ़ोन मिल जाएगे।

फ़ोन कैमरा का आउटपुट अच्छा है लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए कई ऑप्शंस मौजूद है। बेहतर कण्ट्रोल के लिए कई पेड और फ्री ऐप मौजूद है। लेंस की क्षमता को बढ़ने के लिए मैक्रो, वाइड एंगल, टेलीफ़ोटो क्लिपआन लेंस की लम्बी रेंज है। प्रोफेशनल वीडियो आउटपुट के लिए गिम्बल भी आ गए है।

यह सर्वमान्य तथ्य है कि कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी (कई तस्वीरों से मिले डाटा को इस्तेमाल कर बेहतर डिटेल वाली तस्वीर) स्मार्टफोन फोटोग्राफी का भविष्य है। इस काम के लिए गूगल और आईफोन जैसे ब्रांड्स पिछले कई सालों से अपने फ़ोन में ऐसे चिप्स का इस्तेमाल कर रहे है जो रियल टाइम में परफॉर्म कर सके। इसी वजह से उपरोक्त दोनों ही ब्रांड्स बढ़िया रिजल्ट्स देने में सक्षम हो रहे है। उदाहरण के लिए 'एंड्राइड नाईट साइट' या एप्पल के 'नाईट मोड' से बहुत कम रौशनी में लिए गए फोटोग्राफ्स में भी ऐसे लगते है जैसे कि वह दिन में लिए गए हो।

मशीन लर्निंग आधारित कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी का प्रभाव फोटो और वीडियो दोनों सेगमेंट में और सुधार लाएगा। स्नैपड्रैगन समिट में, क्वालकॉम ने मॉर्फो सॉफ्टवेयर द्वारा संचालित AI से लैस स्नैपड्रैगन-865 'इमेज सेगमेंटेशन' फीचर को प्रदर्शित किया था। यह फीचर अगली पीढ़ी के स्मार्टफोन में रियल टाइम में चेहरे के अलग अलग बालों, कपड़ों, वस्तुओं और पृष्ठभूमि के बीच अंतर करने में सक्षम होगा। मॉर्फो टेक्नोलॉजी, फिल्टर को अलग-अलग सतह पर अलग तरह लागू करने में सक्षम बनाती है ताकि फोटो की गुणवत्ता में सुधार हो। परिणाम सवरूप हमे स्नैपचैट के AR फ़िल्टर से बेहतर एनहांसमेंट देखने को मिलेगा वह भी हाई रिज़ॉल्यूशन में।

ऐसा लगता है कि अल्ट्रा-हाई - रिज़ॉल्यूशन कैमरा सेंसर लो डिमांड बढेगी। स्नेपड्रैगन सम्मलेन में शाओमी के प्रेजिडेंट बिन लिन ने 108-मेगापिक्सेल के कैमरा सेंसर की क्षमता का प्रदर्शन किया था। उन्होंने चीन सिटी की एक तस्वीर को बड़े परदे पर दिखाया था। इतने हाई रेसोलुशन की उस इमेज को एंलार्ज करने पर भी इमेज के डिटेल्स देखने लायक थे।

गणित के हिसाब से तुलना करने पर 108 मेगापिक्सेल का सेंसर 10× ज़ूम पर भी यह सेंसर 10 मेगापिक्सेल के सेंसर से ज़्यादा डिटेल देगा। क्वालकॉम के अनुसार 2020 में स्नैपड्रैगन-865 से लैस फोन के अंदर 200 मेगापिक्सेल के वास्तविक सेंसर होंगे।

इन उच्च-रिज़ॉल्यूशन सेंसर से अधिकतम क़्वालिटी लेने के लिए कैमरा लेंस की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। हाई क्वालिटी लेंस के साथ, एक कम-रिज़ॉल्यूशन सेंसर भी बेहतर फोटो ले सकता है। मोमेंट्स, ओलोक्लिप जैसे प्रीमियम क्लिप-इन लेंस बनाने वाले ब्रांड्स की लेंस क्वालिटी बहुत अच्छी है। मैक्रो से लेकर ज़ूम और वाइड एंगल लेंस इस कड़ी में शामिल है। इस डिमांड को देखते हुए फ़ोन ब्रांड्स मल्टी कैमरा सेटअप पर बहुत तेज़ी से काम कर रहे है। ओप्पो का 10× ऑप्टिकल ज़ूम इस श्रंखला में एक कड़ी है।

एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जिस पर विशेष सुधार की गुंजाईश दिखती है वो है वीडियो क़्वालिटी। क्वालकॉम ने कहा है कि स्नैपड्रैगन 865-संचालित फोन 8K रेसोलुशन की वीडियो बनाने में सक्षम होंगे। यह आज के किसी भी टेलीविजन या सिनेमा प्रोजेक्टर से उच्च-रिज़ॉल्यूशन है। साथ ही डॉल्बी विजन आधारित 4K एचडीआर वीडियो भी बनाए जा सकेगे। 865-सीरीज फोन 120 fps, 4K वीडियो या 30 fps 8K वीडियो बनाने में सक्षम होंगे, पिछली पीढ़ी के स्नेप-ड्रैगन 765 फोन केवल 4K वीडियो बनाने में सक्षम थे। ऐसे स्मार्टफ़ोन कैमकार्डर से भी बेहतर रिजल्ट देंगे। विज्ञापन, टीवी शो और फिल्मों के कुछ हिस्सों को शूट करने के लिए पॉकेट उपकरणों का अधिक उपयोग बढेगा। एप्पल जैसा ब्रांड पिछले कुछ वर्षों से इस ओर ध्यान दे रहा है। ऐड-ऑन लेंस और गिंबल्स का उपयोग और महत्ता बढेगी। अधिक महंगे व भारी उपकरण की आवश्यकता कम होगी। गैर व्यावसायिक क्रिएटिव लोग भी वीडियो बनाने की इस कला को अपना सकेगे।

एक बात जिसके बारे में ज़्यादा ध्यान नहीं जाता वह है भविष्य के स्मार्टफ़ोन में डेप्थ-सेंसर कैमरों की उपयोगिता। लेकिन वे अगले साल उपकरणों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। एक कैमरे की कल्पना करें जो 2-डी के बजाय 3-डी पर केंद्रित है, वह तेजी से कई वस्तुओं से डिवाइस की दूरी की गणना कर सकता है। उस जानकारी का उपयोग वास्तविक वस्तुओं को 3-डी में स्कैन करने, दृश्यों के 3-डी कॉपी बनाने और डिजिटल वस्तुओं को AI (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) के ज़रिए वास्तविक रिक्त स्थान पर रख कर देखने के लिए भी किया जा सकता है।

गूगल के नए कम्प्यूटेशनल फ़ोटोग्राफ़ी ट्रिक्स सहित डेप्थ डाटा नापने के लिए कई तरीके हो सकते हैं। जिसमें केवल एक नियमित कैमरा की आवश्यकता होती है। डेप्थ सेंसर इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। सैमसंग और एलजी अपने कुछ हाई एन्ड फ़ोन में 'टाइम ऑफ़ फ्लाइट' डेप्थ सेंसर का इस्तेमाल करते है। आने वाले समय में इस सेंसर के ज़रिए ऑब्जेक्ट्स को 3D एनिमेटेड ऑब्जेक्ट में बदला जा सकेगा।

मिल रही सूचनाओं के मुताबिक एप्पल 2020 के नए आई-फ़ोन के पीछे एक लेजर-संचालित डेप्थ-सेंसिंग कैमरा देगा, जिससे वे 15-फीट की सीमा के भीतर वस्तुओं को स्कैन करने में सक्षम होंगे। जबकि वर्तमान आईफोन के कैमरे केवल 2-फुट की दूरी तक ही डेप्थ सेसंसिंग करते हैं, इसलिए नया डिज़ाइन ज़्यादा दूर तक और ज़्यादा ऑब्जेक्ट्स को स्कैन कर सकेगा।

यह अभी निश्चित नहीं है कि ये कैमरे 2020 के उपकरणों में कब देखने को मिलेगे। जितनी जल्दी इनके लायक सॉफ्टवेयर डेवलप हो जाए गए उतनी ही जल्दी हम इन्हे फ़ोन में देख पाएगे। सैमसंग के एक डेमो से पता चलता है कि जल्द ही हम खुद को 3-डी अवतारों में स्कैन करने के लिए अपने फोन का उपयोग कर सकेगे जो आसानी से वीडियो मैसेज भेजने, सोशल नेटवर्किंग और गेमिंग के लिए उपयोग किया जा सकता है। अगर 2020 में डेप्थ-सेंसिंग कैमरे उपयोगी साबित हो जाते हैं, तो हम फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के अलावा भी आप का फ़ोन कैमरा और उपयोगी भूमिकाए निभा सकेगा। बड़ा सवाल यह है कि सबसे पहले इसकी शुरूआत कौन करेगा।

वर्कशॉप व अन्य कार्यक्रम

बस्ती

लखनऊ

रायबरेली

प्रयागराज

बरेली

प्रयागराज

प्रयागराज

फतेहपुर

बरेली

बाराबंकी

लखीमपुर खीरी

डा. तूलिका साहू द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2020 से 5 फरवरी 2020

अगर आपकी फोटो अच्छी नहीं है तो समझ जाइए आप सब्जेक्ट के पास नहीं हैं। - राबर्ट कापा

नया साल और हम

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

साल का दिसंबर माह आते ही एक अजीब सी खुशी और जोश सबके अंदर भर जाता है। और वो खुशी है नए साल के आगमन की। दिसंबर-जनवरी की ठण्ड के बीच नए साल के आने का उल्लास लगभग सभी के अंदर दिखाई देता है। नए साल के स्वागत में बड़ी-बड़ी कंपनियों, मॉल्स और व्यक्तिगत तौर पर लोग बहुत कुछ तैयारी करते हैं। छोटे-बड़े लगभग हर होटल में नए साल के स्वागत के लिए कई तरह के मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। वहीं हम सब इस बात की उम्मीद रखते हैं कि आने वाला साल हमारे लिए कुछ न कुछ या शायद बहुत कुछ अच्छा दे कर ही जायेगा। यहाँ तक की पिछले या गुज़रते साल में हुए नुकसान और असफलताओं को भी भूल कर हम ये कहते हैं कि अब पीछे जो हुआ सो हुआ लेकिन आने वाले साल में सब कुछ बहुत बढियाँ होगा। हर कोई नए जोश के साथ ये प्लान बनाने लगता है कि इस बार वो क्या-क्या अच्छे काम करेगा और नए साल का एक रिसोल्यूशन बनाते हैं। इस प्रकार के रिसोल्यूशन इस प्रकार के भी होते हैं कि हमें इस साल फलाना-फलाना काम ज़रूर करने हैं और रिसोल्यूशन इस प्रकार का भी होता है कि जब आदमी कोई गलत या नुकसानदेह काम आगे से ना करने का प्रॉमिस खुदसे करता है। नए साल में नए विज़न या विचारधारा के साथ बहुत से लोग अपनी फिटनेस के बारे में रिसोल्यूशन बनाते हैं कि आगे से सुबह घूमना-टहलना, जिम जाना या योगा करना शुरू कर देंगे। पर अक्सर ऐसा होता है कि लोग कुछ दिन तक तो इस रिसोल्यूशन पर टिके रहते हैं लेकिन बहुत जल्दी ही इस रूटीन से दूर हो जाते हैं और वापस अपने पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। आइये देखते हैं कि ऐसा क्या कारण है कि लोग अपने खुद से किये गए प्रॉमिस को ख़त्म कर बैठते हैं। सबसे पहला ये है कि लोग खुद से बहाने बना लेते हैं और अपने मन को कोई भी लॉजिक देकर समझा लेते हैं, और फिटनेस की ओर बढ़ाया गया कदम वापस खींच लेते हैं। इस प्रकार से अपने अच्छे के लिए सोचे गए काम से अपने आप को अलग हटा लेना कहीं ना कहीं अपने आप से कम कमिटमेंट को दर्शाता है। लोग उस काम को ना करने के लिए तमाम बहाने निकाल लेते हैं और उसमे सबसे बड़ा बहाना होता है कि मेरे पास समय नहीं है। नए साल पर अपने लिए जब कुछ नया और अच्छा करने का मोटिवेशन ख़त्म हो जाता है तो ऐसी परिस्थितियां आती हैं। अगर आपने सोचा है कि जिम जा कर अपने को फिट रखूँगा तो कम से कम एक घंटा जिम में देने पर ही अपना मकसद हल हो सकता है। आपको पसीना बहाना पड़ेगा और वो भी कम से कम पूरे एक घंटे। कई लोग बोलते तो बहुत कुछ हैं पर समय आने पर वो डगमगा जाते हैं और उन्हें कुछ भी ना करने ज़्यादा मज़ा आने लगता हैं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि शरीर, बुद्धि और इमोशंस का सही तालमेल ही जीवन को सफल बना सकता है।

तो सबसे पहले बात करते हैं आपके शरीर के फिटनेस की। अगर शरीर को फिट रखना है तो सबसे पहले उस पर ध्यान देना होगा। जिम जा कर, दौड़ लगा कर, सुबह-सुबह टहल कर या कुछ खेल कर हम अपने शरीर को फिट रख सकते हैं। पर ये ध्यान रहे की ये क्रम रोज़ का होना चाहिए और वो भी निरंतर। कम से कम आपको एक घंटा पसीना बहाना पड़ेगा और अपनी इस फिटनेस के लिए आपको इसे दिल से पसंद भी करना पड़ेगा। सच बात तो ये है कि जब आप कुछ नया ऐसा शुरू करते हैं तो दो-चार दिन में जोश ठंडा पड़ने लगता है और आप अपने कमिटमेंट से दूर हो जाते हैं। अगर आप आलसी हैं तो ऐसा विचार बहुत जल्दी आपके दिल दिमाग में आ जाता है। तो सबसे पहले इस आलस को अपने भीतर से हटाने की ज़रूरत होती है। लम्बे समय तक चलने वाला आलस का क्रम आपको कहीं ना कहीं अंदर से बहुत खोखला कर देता है। अपने को फिट रखने के लिए शरीर को कष्ट देना ही पड़ेगा। इसके लिए उचित ढंग से सोचना पड़ेगा और फिटनेस के लिए समय का निर्धारण भी करना पड़ेगा। शरीर हेल्दी होगा तो ही दिमाग भी हेल्दी होगा और जिसके परिणाम स्वरूप आप सच्चाई से आगे आने वाले दिलों की प्लानिंग कर पाएंगे। फिटनेस और बुद्धि के बाद तीसरी बात है 'इमोशंस'। जी हाँ 'इमोशंस' ही सब कुछ प्लानिंग को कार्यान्वयन में लाते हैं। इमोशंस को कह सकते हैं - एनर्जी इन मोशन। ये एनर्जी आपके अंदर तभी बेहतरीन होगी जब आप एकदम फिट होंगे साथ ही प्लान बनाने में आपकी बुद्धि का का इस्तेमाल भी तभी सही हो पायेगा।

केवल एक पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही अपने जीवन में तरक्की पा सकता है और सुखी जीवन व्यतीत कर सकता है। एक स्वस्थ मस्तिष्क में ही सकारात्मक विचारों का निर्माण होता है। स्वास्थ्य को भगवान् का सर्वोत्तम उपहार माना गया है, लेकिन यह जानते हुए भी कई लोग पैसे कमाने के लालच में एवं व्यस्तता भरे जीवन में अपने स्वास्थ्य पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते जिसकी वजह से उन्हें अपनी कई गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए जरूरी है कि समय से पहले अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो जाएं क्योंकि एक बीमार शरीर इंसान के मन को भी बीमार बना देता है और उसे आगे बढ़ने से रोकता है।

अच्छा स्वास्थ्य ईश्वर का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ वरदान है, इसलिए हम सभी को अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि एक स्वस्थ व्यक्ति ही अपने लक्ष्यों तक आसानी से पहुंच सकता है। क्योंकि जब कोई भी व्यक्ति शारीरिक रूप से बीमार होता है तो वह नेगेटिव विचारों से भर जाता है और उसे कुछ भी अच्छा नहीं लगता है। वहीं बीमारी किसी भी व्यक्ति और उसके घर का सुख, चैन छीन सकती है और उसे असफलताओं की तरफ ढकेल सकती है।

तो दोस्तों आइये नए साल पर रिसोल्यूशन बनाए कि हम स्वस्थ रहेंगे और फिटनेस के लिए अपने आप को ढेर सारा समय नित्य रूप से देंगे।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :

1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जनवरी 2020

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

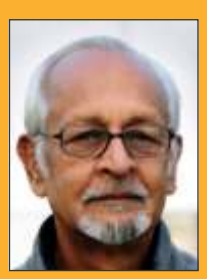

आर्ट्स कॉलेज के
पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

Nikon WFA
WEDDING FILM AWARDS

Is it just your **wedding film?** Or an **award winning wedding film?**

₹ 1 CRORE*
SHARE YOUR WEDDING FILM SHOT ON NIKON AND STAND A CHANCE TO WIN PRIZES WORTH

35 couples & 35 videographers will win exciting prizes worth up to ₹ 2 lakhs each!

*** Monthly basis winners declared from October onwards**

Winners take away

FILM MAKERS (WEDDING AND PRE WEDDING)

WINNER
Z 6
With 24-70mm Lens + Mount Adapter FTZ

FIRST RUNNER-UP
D750
With 24-120mm VR Lens

SECOND RUNNER-UP
D7500
With AF-S NIKKOR 18-140mm VR Lens

BRIDE & GROOM (WEDDING AND PRE WEDDING)

WINNER
₹ 1 Lakh Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 1 Lakh

FIRST RUNNER-UP
₹ 75K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 75K

SECOND RUNNER-UP
₹ 25K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 50K

Special mention category

FILM MAKERS
D5600
With AF-P 18-55mm VR Kit Lens

BRIDE & GROOM
make my trip
Voucher Worth ₹ 50K

Additional ₹ 5 Lakhs giveaway as consolation prizes to be won!

SCAN TO REGISTER OR VISIT
WWW.NIKONWEDDINGFILMAWARDS.COM

T&C Apply

Corporate/Registered Office & Service Centre: **Nikon India Pvt. Ltd.,** Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). **Ph.:** 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, **Service Ph.:** 0124 4688514, **Service ID:** nindsupport@nikon.com, **Sales and Support ID:** nindsales@nikon.com

TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA ▶ SMS NIKON <PINCODE> to 57575 ▶ CALL TOLL FREE No.: 1800-102-7346 ▶ VISIT OUR WEBSITE: www.nikon.co.in

Fisheye

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in